



Sadhik



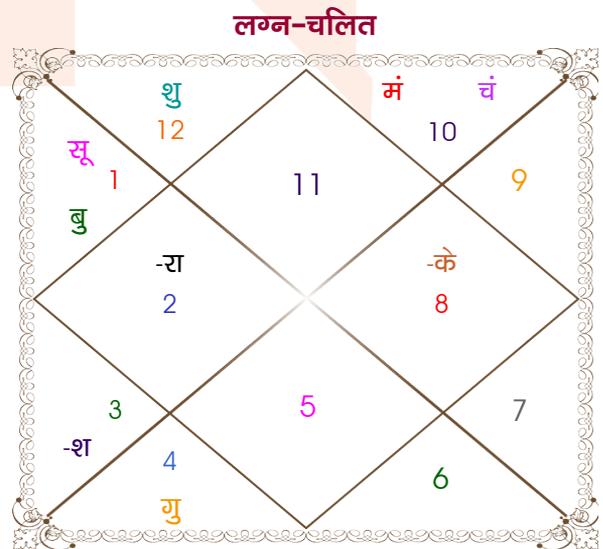
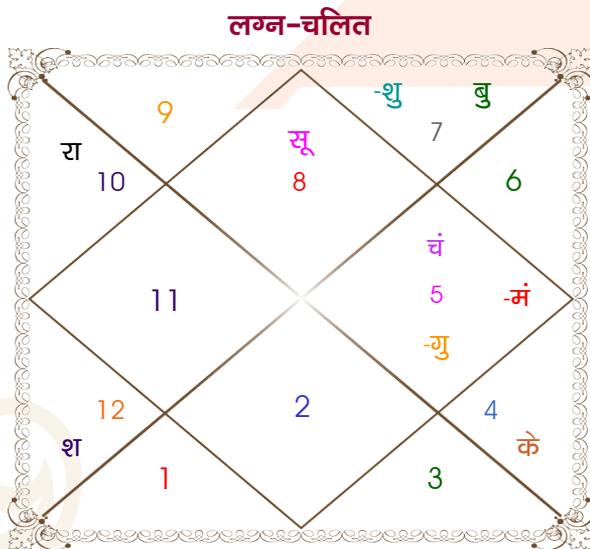
Anshika

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121180910

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 02/12/2026 : _____ जन्म तिथि _____ : 23-24/04/2003
 बुधवार : _____ दिन _____ : बुध-गुरुवार
 घंटे 07:15:00 : _____ जन्म समय _____ : 03:23:00 घंटे
 घटी 00:18:23 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 53:49:48 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Ludhiana : _____ स्थान _____ : Ludhiana
 30:56:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 30:56:00 उत्तर
 75:52:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 75:52:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:26:32 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:26:32 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 07:07:38 : _____ सूर्योदय _____ : 05:51:04
 17:24:16 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:59:23
 24:14:08 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:53:56

विंशोत्तरी शुक्र 1वर्ष 4मा 16दि शुक्र 02/12/2026 19/04/2028	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी चन्द्र 6वर्ष 9मा 20दि राहु 11/02/2017 12/02/2035
00/00/0000	16:22:06	वृश्चि	लग्न	कुंभ	15:13:49	राहु
00/00/0000	15:38:38	वृश्चि	सूर्य	मेष	09:25:38	गुरु
00/00/0000	25:44:49	सिंह	चंद्र	मक	14:15:31	शनि
00/00/0000	08:05:36	सिंह	मंगल	मक	07:15:19	बुध
00/00/0000	29:22:30	तुला	बुध	मेष	26:20:10	केतु
00/00/0000	02:35:36	सिंह	गुरु	कर्क	14:46:06	शुक्र
00/00/0000	04:22:40	तुला	शुक्र	मीन	08:47:57	सूर्य
00/00/0000	13:46:05	मीन व	शनि	मिथु	01:24:35	चन्द्र
00/00/0000	29:36:41	मक व	राहु व	वृष	05:53:34	मंगल
00/00/0000	29:36:41	कर्क व	केतु व	वृश्चि	05:53:34	
02/12/2026	09:10:59	वृष व	हर्ष	कुंभ	08:08:13	
बुध 18/02/2027	07:24:40	मीन व	नेप	मक	19:09:14	
केतु 19/04/2028	09:20:42	मक	प्लूटो व	वृश्चि	25:47:12	



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	चतुष्पाद	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शनि	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Sadhik का वर्ग श्वान है तथा Anshika का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sadhik और Anshika का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Sadhik मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम भाव में स्थित है।

Anshika मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Anshika कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा ।
न मंगली मंगल राहु योग ।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Anshika कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Sadhik कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Sadhik तथा Anshika में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

